३ पहली बूँद

कविता का सारांश

"पहली बूँद" कविता वर्षा ऋतु के आगमन का एक उत्सवपूर्ण चित्रण है। कवि ने पहली बारिश की बूँद को धरती पर जीवन का संचार करने वाली एक अमृत तुल्य बूँद के रूप में चित्रित किया है। यह बूँद सूखी धरती को नया जीवन देती है और प्रकृति को पुनर्जीवित करती है। कवि ने बारिश के मौसम के आने से पहले की प्रकृति की पीड़ा और बारिश के आगमन के बाद प्रकृति की खुशी को बहुत ही सुंदर शब्दों में व्यक्त किया है।

कविता में बादलों को सागर, बिजली को स्वर्णिम पर और धरती को वसुंधरा कहा गया है, जो प्रकृति के सौंदर्य को और अधिक उभारता है। कवि ने बारिश की बूँदों को धरती की प्यास बुझाने वाले करुणा के अश्रु के रूप में भी चित्रित किया है।

कविता का मूल भाव: कविता का मूल भाव है कि प्रकृति का चक्र निरंतर चलता रहता है। सूखे के बाद वर्षा का आना और वर्षा के बाद फसलों का उगना प्रकृति का एक अनिवार्य नियम है। कवि ने इस कविता के माध्यम से प्रकृति के इस चक्र को बहुत ही सुंदर ढंग से व्यक्त किया है।

शब्दार्थ:

पावस	: बारिश, वर्षाऋतु	**बिजली**	: आकाश में चमकने वाली रौशनी
प्रथम	: पहला	**स्वर्णिम**	: सोने जैसा, सुनहरा
धरा	: धरती	**नगाड़े**	: ढोल
नव-जीवन	: नया जीवन	**तरुणाई**	: जवानी
अंकुर	: बीज से निकलने वाला छोटा पौधा	**बादल**	: जलद
अँगड़ाई	: खींचकर शरीर को फैलाना	**नयनों**	: आँखों
अधर	: होंठ	**करुणा**	: दया
अमृत	: देवताओं का पेय	**विगलित**	: पिघला हुआ
वसुंधरा	: धरती	**अश्रु**	: आँसू
रोमावलि	: रोमों की पंक्ति	**अंबर**	: आकाश
पुलकी	: खड़ी होकर	**चिर-प्यास**	: सदैव की प्यास
आसमान	: आकाश	**शस्य-श्यामला**	: फसलों से हरी-भरी
सागर	: समुद्र	**ललचाई**	: इच्छा की

प्रश्न अभ्याश

मेरी समझ से

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (★) बनाइए–

1. **कविता में 'नव-जीवन की ले अंगड़ाई किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?**

- **बादल**
- **अंकुर** ★
- **बूंद**
- **पावस**

2. **'नीले नयनों-सा यह अंबर, काली पुतली- से ये जलधर' में 'काली पुतली' है-**

- **बारिश की बूँदें**
- **नगाड़ा**
- **वृद्ध धरती**
- **बादल** ★

(ख) अब अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने?

उत्तर:-

1. कविता में अंकुर को धरती से निकलकर बढ़ते हुए दिखाया गया है जो नए जीवन की शुरुआत का प्रतीक है।
2. बादल आकाश में काले धब्बों की तरह दिखाई देते हैं, जो आँख की पुतली से मिलते-जुलते हैं।

मिलकर करें मिलान

कविता की कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन पंक्तियों में कुछ शब्द रेखांकित हैं। दाहिनी ओर रेखांकित शब्दों के भावार्थ दिए गए हैं। इनका मिलान कीजिए।

कविता की पंक्तियाँ	भावार्थ	उत्तर.
1. आसमान में उड़ता सागर, लगा बिजलियों के स्वर्णिम पर	1. मेघ - गर्जना	1. 2
2. बजा नगाड़े जगा रहे हैं, बादल धरती की तरुणाई	2. बादल	2. 1
3. नीले नयनों सा यह अम्बर, काली पुतली-से ये जलधर।	3. हरी दूब	3. 4
4. वसुंधरा की रोमावलि-सी, हरी दूब पुलकी-मुसकाई।	4. आकाश	4. 3

पंक्तियों पर चर्चा

कविता में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार कक्षा में अपने समूह में साझा कीजिए और अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए-

- **"आसमान में उड़ता सागर, लगा बिजलियों के स्वर्णिम पर,**
  बजा नगाड़े जगा रहे हैं, बादल धरती की तरुणाई।"

अर्थ: इन पंक्तियों के माध्यम से कवी कहते है कि आसमान में जल रूपी बादलों में बिजली चमक रही है। जैसे सागर बिजलियों के सुनहरे पंख लगाकर आसमान में उड़ रहा हो। बादलों की गर्जना सुनकर ऐसा आभास होता है कि वे नगाड़े बजा-बजाकर धरती की यौवनता को जगा रहे हैं। अर्थात आकाश में बादल उमड़-घुमड़ कर बारिश के लिए तैयार होते हैं, और यह बादल नगाड़ों कि तरह बजते हुए प्रतीत होते हैं।

- **"नीले नयनों-सा यह अंबर, काली पुतली-से ये जलधरा**
  करुणा-विगलित अश्रु बहाकर, धरती की चिर-प्यास बुझाई।"

अर्थ: आकाश और बादलों का वर्णन नील नयनों और काली पुतली के रूप में किया गया है। नीला आसमान नीली आँखों के समान है और काले बादल उन नीली-नीली आँखों की काली पुतली के सामान है। जो करुणा में पिघलकर धरती की प्यास बुझाने के लिए वर्षा रूपी अश्रु बहा रहे हैं। धरती, जो बूढ़ी और सुखी हो गई थी, अब फिर से हरी-भरी और सुंदर बनने के लिए ललचाई हुई प्रतीत होती हैं।

सोच-विचार के लिए

कविता को एक बार फिर से पढ़िए और निम्नलिखित के बारे में पता लगाकर अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए-

- **बारिश की पहली बूँद से धरती का हर्ष कैसे प्रकट होता है?**

उत्तर: धरती के सूखे होंठों पर बारिश की बूँद अमृत के समान गिरती है, मानो वर्षा होने से बेजान और सूखी पड़ी धरती को नवीन जीवन ही मिल गया हो। इस प्रकार वर्षा की पहली बूँद से धरती की प्रसन्नता प्रकट होती है।

- **कविता में आकाश और बादलों को किनके समान बताया गया है?**

उत्तर: कविता में आकाश को नीले आंखो के समान और बादलों को आंखों के काली पुतलियों के समान बताया गया है।

कविता की रचना

'आसमान में उड़ता सागर, लगा स्वर्णिम पर बिजलियों के कविता की इस पंक्ति का सामान्य अर्थ देखें तो समुद्र का आकाश में उड़ना असंभव होता है। लेकिन जब हम इस पंक्ति का भावार्थ समझते हैं तो अर्थ इस प्रकार निकलता है समुद्र का जल बिजलियों के सुनहरे पंख लगाकर आकाश में उड़ रहा है। ऐस प्रयोग न केवल कविता की सुंदरता बढ़ाते हैं बल्कि उसे आनंददायक भी बनाते हैं। इस कविता में ऐसे दृश्यों को पहचानें और उन पर चर्चा करें।

उत्तर:

- नीले नयनों-सा यह अंबर, काली पुतली-से ये जलधर।

अर्थ:- कवि को आसमान नीले नयनों की तरह दिखाई दे रहे हैं और जो जलधर मतलब काले बादल है इन बादलो को कवि ने काली पुतलियां कहा है।

शब्द एक अर्थ अनेक

'अंकुर फूट पडा धरती से, नव-जीवन की ले अँगडाई' कविता की इस पंक्ति में 'फूटने' का अर्थ पौधे का अंकुर है। 'फूट' का प्रयोग अलग-अलग अर्थों में किया जाता है, जैसे– फूट डालना, घडा फूटना आदि। अब फूट शब्द का प्रयोग ऐसे वाक्यों में कीजिए जहाँ इसके भिन्न-भिन्न अर्थ निकलते हों, जैसे– अंग्रेजों की नीति थी फूट डालो और राज करो।

उत्तर:

- शत्रुओं ने हमारे बीच फूट डालने की कोशिश की।
- बच्चा फूट फूट कर रो रहा था।
- दीवार से टकराते ही उसकी एक आँख फूट गई।
- धरती से जल की धारा फूट पड़ी।

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

'नीले नयनों-सा यह अंबर, काली पुतली से ये जलधर' कविता की इस पंक्ति में 'जलधर' शब्द आया है। 'जलधर' दो शब्दों से बना है, जल और धरा इस प्रकार जलघर का शाब्दिक अर्थ हुआ जल को धारण करने वाला। बादल और समुद्र, दोनों ही जल धारण करते हैं। इसलिए दोनों जलधर हैं। वाक्य के संदर्भ या प्रयोग से हम जान सकेंगे कि जलधर का अर्थ समुद्र है या बादल। शब्दकोश या इंटरनेट की सहायता से धर' से मिलकर बने कुछ शब्द और उनके अर्थ ढूँढ़कर लिखिए।

- **गिरिधर** = गिरी का अर्थ है पर्वत मतलब पर्वत को उठाने वाला
- **जटाधर** = जिसके सिर पर जटाएं होती हैं उसे जटाधर कहते हैं।
- **मुरलीधर** = जो बासुरी मतलब मुरली बजाता है।
- **गदाधर** = जिसके पास गदा होती है।
- **चक्रधर** = जो चक्र को धारण करता है।
- **हलधर** = हल को धारण करने वाला अर्थात बलराम।
- श्रीधर = लक्ष्मी को धारण करने वाला अर्थात विष्णु।

शब्द पहेली

दिए गए शब्द-जाल में प्रश्नों के उत्तर खोजें-

क. एक प्रकार का वाद्य यंत्र = नगाड़ा

ख. आँख के लिए एक अन्य शब्द = नयन

ग. जल को धारण करने वाला = जलधर

घ. एक प्रकार की घास = दूब

ङ. आँसू का समानार्थी = अश्रु

च. आसमान का समानार्थी शब्द = अंबर

पाठ से आगे

आपकी बात

- **बारिश को लेकर हर व्यक्ति का अनुभव भिन्न होता है। बारिश आने पर आपको कैसा लगता है ? बताइए।**

उत्तर: बारिश आने पर मुझे ठंडक और ताजगी का अहसास होता है। पानी की बूंदें और ठंडी हवा मेरे मन को शांति और सुकून देती हैं। बारिश का मौसम मुझे प्राकृतिक सौंदर्य और नयापन का अनुभव कराता है, जिससे दिल को राहत मिलती है।

- **आपको कौन-सी ऋतु सबसे अधिक प्रिय है और क्यों? बताइए।**

उत्तर: वर्षा ऋतु मुझे बहुत प्रिय है। वर्षा ऋतु के दिनों में बारिश में भीगने में बहुत मज़ा आता है। भीगकर घर पहुँचने के बाद गर्म-गर्म चाय और पकौड़ों के साथ बहुत मज़ा आता है।

समाचार - माध्यमों से

प्रत्येक मौसम समाचार के विभिन्न माध्यमों (इलेक्ट्रॉनिक या प्रिंट या सोशल मीडिया) के प्रमुख समाचारों में रहता है। संवाददाता कभी बाढ़ तो कभी सूखे या भीषण ठंड के समाचार देते दिखाई देते हैं। आप भी बन सकते हैं संवाददाता या लिख सकते हैं समाचार।

अत्यधिक गर्मी, सर्दी या बारिश में आपने जो स्थिति देखी है का आँखों देखा हाल अपनी कक्षा में प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर: दिल्ली-एनसीआर समेत देश के अधिकांश हिस्सों में झुलसा देने वाली गर्मी का सिलसिला जारी है। बुधवार को गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। दिल्ली के मुंगेशपुर इलाके में अधिकतम तापमान 52.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह राजधानी में अब तक दर्ज किया गया सर्वाधिक तापमान है। हालांकि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि वह किसी भी संभावित त्रुटि के लिए क्षेत्र के मौसम विज्ञान केंद्र के सेंसर और आंकड़ों की जांच कर रहा है। दिल्ली ही नहीं देश के 10 शहरों में रिकॉर्डतोड़ गर्मी देखने को मिल रही है। हालांकि आईएमडी ने आने वाले दिनों के लिए खुशखबरी भी दी है।

देश की राजधानी दिल्ली और उत्तर भारत के कई हिस्से पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी की चपेट में हैं। दिल्ली में कम से कम तीन मौसम केंद्रों मुंगेशपुर, नरेला और नजफगढ़ ने मंगलवार को भी लगभग 50 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया था। दिल्ली के प्राथमिक मौसम विज्ञान केंद्र सफदरजंग वेधशाला में बुधवार को अधिकतम तापमान 46.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 79 वर्षों में सबसे अधिक है। ये मौसम विभाग के आधिकारिक आंकड़े हैं।

आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार 17 जून 1945 में दिल्ली का अधिकतम तापमान 46.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दिल्ली के अलावा उत्तरी भारत के कई स्थान भी प्रचंड गर्मी की चपेट में हैं और तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंचा।

सृजन

नाम देना भी सृजन है। ऊपर दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और इसे एक नाम दीजिए।

उत्तर: रेगिस्तानी लिली या डेजर्ट लिली।

इन्हें भी जानें

इस कविता में नगाड़े की ध्वनि का उल्लेख है- "बजा नगाड़े जगा रहे हैं, बादल धरती की तरुणाई ।" नगाड़ा भारत का एक पारंपरिक वाद्‌ययंत्र है। कुछ वाद्‌ययंत्रों को उन पर चोट कर बजाया जाता है, जैसे– ढोलक, नगाड़ा, डमरू, डफली आदि। नगाड़ा प्रायः लोक उत्सवों के अवसर पर बजाया जाता है। होली जैसे लोकपर्व के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों में इसका प्रयोग होता है। नगाड़ों को जोड़े में भी बजाया जाता है जिसमें एक की ध्वनि पतली तथा दूसरे की मोटी होती है।

खोजबीन

आपके यहाँ उत्सवों में कौन-से वाद्‌ययंत्र बजाए जाते हैं? उनके बारे में जानकारी एकत्र करें और अपने समूह में उस पर चर्चा करें।

उत्तर: ढोलक, नगाड़ा, डमरू, डफली, तबला, हारमोनियम, गिटार आदि।

आइए इंद्रधनुष बनाएँ

बारिश की बूँदें न केवल जीव-जंतुओं को राहत पहुँचाती हैं बल्कि धरती को हरा-भरा भी बनाती हैं। कभी-कभी ये बूँदें आकाश में बहुरंगी छटा बिखेरती हैं जिसे 'इंद्रधनुष' कहा जाता है। आप भी एक सुंदर इंद्रधनुष बनाइए और उस पर एक छोटी-सी कविता लिखिए | इसे कोई प्यारा सा नाम भी दीजिए।

रंगों का राजा

मेघों के बाद, आकाश में,
रंगों का झूला डोलाता है।
इंद्रधनुष, कितना प्यारा लगता,
मन मोह लेता, मुस्काता है।

लाल, नारंगी, पीला, हरा,
नीला, जामुनी, बैंगनी रंग।
बादलों के बीच, झिलमिलाता,
देता है मन को आनंद।